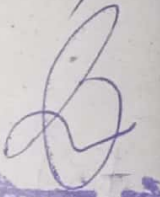


११.६.२० पदावली प्रेश डुई परककारण वर  
नरसीलडा वी सीपोरि मरुत जो  
शाहिल मिलाव वी वरि वरल रुनी  
वरि निर्माण प्रार्थनी परा स्कीकर किता  
जाल वी निर्माण पुकक से लिखा जाकर  
सुले इलवाइ सुगामी वरला परा  
वली कुशील सुकर होकर दाखिल

तारीख  
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

4 फरवरी को  
पुनश्च: निर्णय फाल्गुन हेतु सर्वोच्च  
कोर्ट कोर्टों को सहित जारी को



न्यायक कलेक्टर, कोर्ट

उपस्थिति :-

पारा 131 व 136 राजस्थान नू राजस्व अधिनियम

प्रार्थीगण की ओर से

:- अधिवक्ता श्री दिनेश कुमार मदेरणा


अप्रार्थीगण सख्या 01 पैरोकार सरकार उपस्थित

अप्रार्थीगण सख्या 02 की ओर से अधिवक्ता श्री राजेन्द्र चौधरी

:-निर्णय :-

दिनांक 22-5-2020

प्रार्थीगण की ओर से प्रार्थना पत्र इस आशय का पेश किया गया कि तहसील ओंसियों के राजस्व ग्राम नेवरा के खसरा सख्या 1178 रकबा 26 बीघा 04 बिश्वा भूमि प्रार्थीगण व अप्रार्थीगण सख्या 02 की सयुक्त खातेदारी की व कब्जा काश्त सुदा भूमि आई हुई है उक्त खसरा की भूमि की का प्रार्थीगण व अप्रार्थीगण सख्या 02 के द्वारा आपसी सहमति से विभाजन किया गया जिसके आधार पर नामान्तरकरण सख्या 1971 स्वीकार किया गया तथा खाते अलग अलग दर्ज किए गए जिसमें प्रार्थीगण के हिस्से में भूमि खसरा सख्या 1178/2 रकबा 12 बीघा 18 बिश्वा दर्ज की गई तथा अप्रार्थी सख्या 02 के हिस्से में मूल खसरा सख्या 1178 रखा गया। उक्त नामान्तरकरण से ही प्रार्थीगण तथा अप्रार्थी सख्या 02 के हिस्से अलग अलग किए गए जिसकी पुस्त पर विभाजन में वर्णित अनुसार तरमीम की गई। वर्तमान में राजस्व रेकॉर्ड नक्शा टेस ऑनलाईन होने से अलग से खसरा सख्या 1179/2 दर्ज किया गया लेकिन उक्त नक्शा टेस के अनुसार तथा बटवाडे के साथ सलग्न नजरी नक्शे के अनुसार व बटवाडे की पुस्त के अनुसार तरमीम नही कर त्रुटिपूर्वक दर्ज किया गया इसलिए त्रुटि के कारण प्रार्थीगण अपने हिस्से की भूमि का

  
बहायक कलेक्टर, नाथदुर्ग

किरात कार्य नहीं करता था वह है। जबकि बुटिपूर्वक नक्सा बनाने का कोई सख्त अधिकार का कोई आदेश नहीं है राज्य कर्मचारियों के द्वारा नक्शे की से नक्सा बुटिपूर्वक बना दिया गया। यदि उक्त ऑनलाईन नक्सा बटवाका क्षेत्र अन्त में प्रार्थीग द्वारा ईस्युटजा चाही कि प्रार्थीग की खातेदारी व कब्जा कास्त मुदा भूमि तन्वीत अंतित्तौ जावन नामान्तरकरण सख्या 1971 की पुस्त तथा बटवाका के साथ सतम्न नजरी नक्शों के अनुसार किज जाने की ईस्युटजा चाही।

प्रार्थीग के उक्त प्रार्थना पत्र को दर्ज रजिस्टर किया जावन अप्रार्थीग को जलिये नोटिस तलब किया गया। जिस पर अप्रार्थीग सख्या 01 पेशकार सरकार द्वारा जबाब पेश किया गया कि सख्या सख्या 1178 सख्या 26 बीका 14 दिशा भूमि प्रार्थीग व अप्रार्थीग सख्या 02 की खातेदारी की अवश्य ही आई हुई है उक्त भूमि का आपसी सहमति से विभाजन किया गया उक्त सहमति से विभाजन के अन्त पर नामान्तरकरण सख्या 1971 सीकार किया गया व प्रार्थीग व अप्रार्थीग के खाते अलग अलग दर्ज किज गए। तथा नक्सा टेंस में मौका स्थिति व कब्जा अनुसार तन्वीत की हुई है। प्रार्थीग की भूमि वर्तमान में मौका का कब्जा अनुसार तन्वीत की हुई है। मौके पर जाने जाने हेतु आपसी सहमति से रास्ता छोड़ा हुआ है रास्ते की भूमि अलग से राजस्व रेकर्ड में दर्ज है। जबकि उक्त तन्वीत को प्रार्थीग ने बुटिपूर्वक बताया है जबकि मौका के अनुसार तन्वीत सही प्रतीत होती है।

अप्रार्थीग सख्या 02 के द्वारा जबाब इस आशय का पेश किया कि प्रार्थीग व अप्रार्थीग जिस प्रकार से मौके पर कारिज कास्त थे उसी अनुसार राजस्व रेकर्ड नक्सा टेंस में विभाजन किया गया है। तथा उक्त तन्वीत सही है जिसके अनुसार राजस्व कर्मचारियों के द्वारा किसी प्रकार की कोई बुटि नहीं हुई है। इसलिये प्रार्थीग का प्रार्थना पत्र मद्य हर्ज व खर्च के खरिज फरमाया जावे।

बहस उभय पक्षकारान सुनी गई। अधिवक्ता प्रार्थीग ने प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए बताया कि उक्त भूमि का आपसी सहमति से विभाजन किया हुआ है। जो बटवाका की प्रति पेश की है। जिसके साथ सतम्न नजरी नक्शों के अनुसार ऑनलाईन तन्वीत अंकित नहीं की गई है उक्त दोनो दस्तावेजों के अवलोकन हेतु निवेदन किया गया। तथा अन्त में बताया कि मौके पर ऑनलाईन तन्वीत के अनुसार कारिज नहीं होकर उभय पक्षकारान बटवाका के साथ सतम्न नजरी नक्शों के अनुसार कारिज कास्त है। इसलिये उक्त बुटिपूर्वक ऑनलाईन तन्वीत को दुरुस्त किया जाकर विभाजन के साथ सतम्न नजरी नक्शों के अनुसार तन्वीत की जावे।

अधिवक्ता अप्रार्थीग की ओर से जबाब प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए बताया कि उक्त खसराण की भूमि का उभय पक्षकारान जिस प्रकार से कारिज कास्त थे उसी अनुसार राजस्व रेकर्ड नक्सा टेंस में तन्वीत की गई है। जिसको किसी भी राजस्व कर्मचारियों के द्वारा बुटिपूर्वक नहीं की गई है बल्कि मौके पर कब्जे के अनुसार विभाजन किया गया है प्रार्थीग ने अप्रार्थीग को तंग व परेशान करने तथा खर्च से सरोबात करने की नियत से यह प्रार्थना पत्र पेश किया है। जिसे खरिज फरमाया जावे।

बहायक अधिवक्ता

उभय पक्ष की बहस सुनी जाकर पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजों का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया जिससे यह स्पष्ट है कि प्रार्थीगण व अप्रार्थीगण सख्या 02 के द्वारा आपसी सहमति से अप्रार्थीगण सख्या 01 के कार्यालय में दिनांक 26.05.2015 को विभाजन किया गया तथा विभाजन के साथ कब्जे काशत अनुसार नजरी नक्शा पेश किया गया जिस पर उभय पक्षकारान के हस्ताक्षर हैं। जिसको किसी भी पक्षकार द्वारा हस्ताक्षर करने से इंकार करने का नही बताया है तथा इसी बटवाडे के अनुसार अप्रार्थीगण सख्या 01 के द्वारा यह अंकित किया गया है। मूल बटवाडा की छाया प्रति भेजकर लेख है कि राजस्व रेकॉर्ड में नियमानुसार अमल दरामद करे। इसी आदेशानुसार नामान्तरकरण सख्या 1971 स्वीकार किया गया तथा भूमि को अलग अलग बट्टा नम्बरो में विभाजित किया गया तथा इसी नामान्तरकरण की पुश्त पर तरमीम अंकित की गई। इस प्रकार से जो ऑनलाईन तरमीम की गई है वह बटवाडा प्रस्ताव के साथ सलग्न नजरी नक्शे के अनुसार नही की गई जो प्रार्थीगण के द्वारा प्रस्तुत राजस्व रेकॉर्ड नक्शा में स्पष्टतया प्रमाणित है। अत उपरोक्त विवेचन के आधार प्रार्थीगण की ओर से प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है।

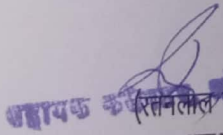
#### आदेश

अत प्रार्थीगण की ओर से प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 131 व 136 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम का विरुद्ध अप्रार्थीगण के स्वीकार किया जाता है व अप्रार्थीगण सख्या 01 को आदेश दिया जाता है। तहसील ओसियाँ के राजस्व ग्राम नेवरा के खसरा सख्या 1178/2 रकबा 12 बीघा 18 बिश्वा भूमि की ऑनलाईन तरमीम दुरुस्त की जाकर विभाजन प्रस्ताव दिनांक 26.05.2015 के साथ सलग्न नजरी नक्शे के अनुसार की जावे। आदेश की पालना

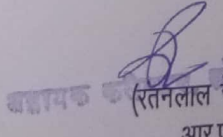
तथा हेतु तहसीलदार ओसियाँ के तहरीर जारी हो।



आदेश आज दिनांक 22-9-20 को हस्ताक्षरित करके खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
सहायक कलेक्टर (रतनलाल रेगर)  
आर.ए.एस  
सहायक कलेक्टर ओसियाँ



  
सहायक कलेक्टर (रतनलाल रेगर)  
आर.ए.एस  
सहायक कलेक्टर ओसियाँ